The question paper contains 2 printed page

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sl. No. of Question Paper : 3646
Unique Paper Code : **12101401**
Name of the Paper : **Text of Indian Philosophy (LOCF)**
Name of the Course : **B. A. (Hons.)**
Semester : **IV**
Duration : **Three Hours**

Ramanujan College Library Kalkaji New Delhi-110019

Maximum Marks : **75**

Instructions for Candidate

Write your Roll No. on the top immediately on receipt on this question paper.
इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
Answer may be written either in English or Hindi : But the same medium should be used throughout the paper.
इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any five questions. All question carry equal marks :

किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें, सभी के अंक समान है।

1. Discuss on the basis of Nyāyabindu Tīkā " All successful human is preceded by right knowledge".
   "सभी पुरूषार्थो की सिद्धि यथार्थ ज्ञान के माध्यम से होती है" न्यायबिन्दु टीका के आधार पर चर्चा कीजिए।

2. Examine "Direct Cognition itself is the result of Cognizing" in the reference of Nyāyabindu Tīkā.
   न्यायबिन्दु टीका के संदर्भ में परीक्षण कीजिए कि "प्रत्यक्ष अनुभूति स्वयं संज्ञान का परिणाम है"।

3. Explain different varieties of Direct Knowledge in view of Nyāyabindu Tīkā.
   न्यायबिन्दु टीका के पीरप्रेक्ष्य में प्रत्यक्ष ज्ञान के विभिन्न प्रकारों का व्याख्या कीजिए।

4. What do you understand by Jayanta Bhatta's critique of the Buddhist view of the relation of Invariable Concomitance based upon the Laws of Identity and Causality? Comments.
   जयन्त भट्ट के अनन्यता और कारण-कार्य के नियमों के आधार पर अपरिवर्तनीय संयोग संबंध के बारे में बौद्ध दृष्टिकोण की आलोचना से आप क्या समझते हैं? तर्क दीजिए।

5. Evaluate the Concept of Testimony in the reference of Conventional Usage (Vyavahār) of language in view of Śābarbhāṣya.

शाबरभाष्य के परिदृश्य में भाषा के परम्परागत प्रयोग (व्यवहार) के सन्दर्भ में शब्द के अवधारणा का मूल्यांकन कीजिए ।

6. Give a detailed account of Jaina theory of Naya with to reference Syādvādamañjarī

स्याद्वादमञ्जरी के संदर्भ में जैन के नय सिद्धांत का विस्तृत विवरण दीजिए ।

7. Write Shorts Notes on any two of the following.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

a) Tat Pūrvakam Anumānam (Nyāyamañjarī)

तत् पूर्वकम अनुमानम् (न्यायमञ्जरी)

b) Vidhi (Śābarabhāṣya).

विधि (शाबरभाष्य)।

c) Samānyatodṛṣta (Nyāyamañjarī)

सम०न्यतोदृष्ट (न्यायमञ्जरी)

d) Partial Knowledge (Syādāvdmañjarī)

आंशिक ज्ञान (स्याद्वादमञ्जरी)